प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0 लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–हरदोई।

पत्र सं0: हरदोई / एस0एस0 विजिट / 2018–19 / 2493 दिनांक 11.06.2018

विषय– जनपद–हरदोई में दिनांक 28 से 29 मई, 2018 तक राज्य स्तरीय टीम द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या के सम्बन्ध में।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के निर्देशों के कम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 28 से 29 मई, 2018 तक जनपद–हरदोई का भ्रमण किया गया था। राज्य स्तरीय टीम द्वारा जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर भ्रमण रिपोर्ट उपलब्ध करायी जा रही है।

उक्त भ्रमण आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हेतु बिन्दुवार अनुपालन आख्या इस कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त

भवदीय,

BS 11.6.18

(डा0 बी0एस0 अरोड़ा)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

पत्र सं0: हरदोई / एस0एस0 विजिट / 2018–19 / तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद हरदोई।
3. समस्त महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल–लखनऊ।
5. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन0एच0एम0, मण्डल–लखनऊ।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद हरदोई को इस निर्देश के साथ कि उक्त आख्या का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।

(डा0 बी0एस0 अरोड़ा)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0 लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–हरदोई।

पत्र सं0: हरदोई / एस0एस0 विजिट / 2018–19 / दिनांक 11.06.2018

विषय– जनपद–हरदोई में दिनांक 28 से 29 मई, 2018 तक राज्य स्तरीय टीम द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या के सम्बन्ध में।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के निर्देशों के कम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 28 से 29 मई, 2018 तक जनपद–हरदोई का भ्रमण किया गया था। राज्य स्तरीय टीम द्वारा जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर भ्रमण रिपोर्ट उपलब्ध करायी जा रही है।

उक्त भ्रमण आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हेतु बिन्दुवार अनुपालन आख्या इस कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त

भवदीय,

(डा0 बी0एस0 अरोड़ा)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

पत्र सं0: हरदोई / एस0एस0 विजिट / 2018–19 / 2493-6 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद हरदोई।
3. समस्त महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल–लखनऊ।
5. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन0एच0एम0, मण्डल–लखनऊ।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद हरदोई को इस निर्देश के साथ कि उक्त आख्या का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।

BS 11.6.18

(डा0 बी0एस0 अरोड़ा)
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक

जनपद–हरदोई भ्रमण आख्या

दिनांक 28.05.2018 एवं 29.05.2018

भ्रमण टीम के सदस्य–

1. डा0 सारिका सिंह, सलाहकार, नेशनल प्रोग्राम, जनपद नोडल।
2. कमलेश रानी, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, एन0सी0डी0 सेल।

जिला महिला चिकित्सालय, हरदोई

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
मातृ स्वास्थ्य सेवायें–लेबर रूम • लेबर रूम में साफ सफाई नहीं थी । • डिलीवरी टेवल पर मेट एवं चादर को मोड कर रख गया था। गर्भवती महिलाओं को सीधे डिलीवरी टेवल पर लिटाया जा रहा था। • प्रसूति महिला के पास कोई स्टाफ नर्स उपस्थित नही थी। जबकि लेबर रूम के बाहर 06 स्टाफ नर्स बैठी हुई थी एवं इंचार्ज भी उपस्थित नही थी। • प्रसुति महिला का विवरण प्रपत्र पर पूर्ण रूप से नही लिखा गया था।	• सी0एम0एस0 को उक्त से अवगत कराया गया उन्होने एसी स्थिति की पुनरावृत्ति ना होने हेतु आश्वस्त किया– • हॉस्पिटल मैनेजर, यू0पी0एच0एस0पी0 को सुक्षाव दिया गया कि ऐसी स्थिति पुनः न हो।	सी0एम0एस0 स्तर से
• चिकित्सा इकाई में 16 प्रोटोकॉल लगे हुए थें। • जे0एस0वाई0 गतिविधि के अन्तर्गत लाभार्थी को समय से डाईट के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जा रहा था एवं रसोई घर का रख रखाव भी सही प्रकार से किया जा रहा था। • महिला चिकित्सालय में दो माह में मात्र 15 सिजेरियन किये गये थे मात्र एक सर्जन होने के कारण सप्ताह में 02 बार सर्जरी की जाती है। • इसी स्थिति में केस आने पर गर्भवती महिला को लखनऊ रेफर किया जाता है। • जनपद हरदोई में कुल 02 स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं 01 सर्जन तैनात है जिसमें से 02 विशेषज्ञ द्वारा ही कार्य किया जा रहा है। 02 विशेषज्ञ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–सण्डीला (एफ0आर0यू0) में एवं 01 विशेषज्ञ जिला महिला चिकित्सालय में तैनात है।	ऑन कॉल सर्जन को बुलाकर सर्जरी कराये जाने का सुक्षाव दिया गया।	राज्य स्तर से चिकित्सक (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की भर्ती प्रक्रिया अपेक्षित है।
• वार्ड में साफ–सफाई नही थी एवं तापमान अधिक था जिससे लाभार्थी एवं शिशु को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।	सी0एम0एस0 एवं सी0एम0ओ0 का उक्त से अवगत कराया गया	सी0एम0एस0 स्तर से
• प्रसूति महिलाओं को डाईट प्लान के अनुसार भोजन दिया जा रहा था। रसोई घर में साफ सफाई थी।	–	–

• यू0पी0एच0एस0पी0 द्वारा सहयोग प्रदान किये जाने के लिऐ कार्यरत हॉस्पिटल मैनेजर श्री राकेश मजूमदार द्वारा कार्य करने में रूचि नही ली जा रही है। भ्रमण के दौरान चिकित्सालय की स्थिति को देखते हुए प्रतीत होता है कि उनके द्वारा चिकित्सालय का भ्रमण नहीं किया जा रहा है।	सी0एम0ओ0 का उक्त से अवगत कराया गया	राज्य स्तर से यू0पी0एच0एस0एस0पी0 कार्यालय को भी सूचित किया जाना है।
एस0एन0सी0यू0 वार्ड • एस0एन0सी0यू0 वार्ड का रख रखाव अच्छा था एवं 12 बेड भरे हुए थे। नवजात शिशुओं का इलाज सही प्रकार से किया जा रहा था। • वार्ड में चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स उपस्थित थी। • एक बेड पर 02 नवजात शिशुओं को रखा गया था । • रजिस्टर का रख रखाव सही प्रकार से किया जा रहा था मात्र एक नवजात शिशु को गम्भीर स्थिति होने के कारण रेफर किया गया था।	–	–

जिला पुरूष चिकित्सालय, हरदोई

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
एन0सी0डी0 क्लीनिक– • क्लीनिक की स्थिति बहुत ही खराब थी। कुल 08 संविदा पदों के सापेक्ष 06 पद पर भरे हुए है परन्तु मात्र एक स्टाफ नर्स उपस्थिति थें अन्य 05 (फिजीयोथेस्टि–01, काउंसलर–01, स्टाफ 01, एल0टी0– 01 एवं डी0ई0ओ0–01) को अन्य कार्यक्रम के साथ सम्बद्ध किया गया। • एन0सी0डी0 क्लीनिक में चिकित्सक एवं एपिडिमोलॉजिस्ट न होने के कारण कोई भी लाभार्थी नहीं मिला। • वर्ष 2017–18 में एन0पी0सी0डी0सी0एस0 कार्यक्रम के अन्तर्गत एन0सी0डी0 क्लीनिक की धनराशि बहुत कम व्यय की गई थी।	सी0एम0एस0 एवं सी0एम0ओ0 का उक्त से अवगत करा दिया गया एवं एन0सी0डी0 क्लीनिक को क्रियान्वित करने का सुझाव दिया गया जिससे उपलब्ध बजट का व्यय किया जा सके।	राज्य स्तर / जनपद स्तर
आर0के0एस0 रजिस्टर– • आर0के0एस0 रजिस्टर नियमानुसार नहीं भरा हुआ था एवं अप्रैल माह की बैठक का कोई विवरण उपलब्ध नहीं था।	चिकित्सा अधीक्षक को उक्त से अवगत कराया गया। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा तत्काल ठीक करने का निर्देश सम्बन्धित को दिया गया।	सी0एम0एस0 के स्तर से कार्यवाही अपेक्षित

पीडियाट्रिक आई.सी.यू, हरदोई

- पीडियाट्रिक आई.सी.यू का निर्माण कार्य पैकफेड संस्था द्वारा किया जा रहा है।
- मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा पी0आई0सी0यू0 के उपकरण आदि के क्रय हेतु धनराशि जिला चिकित्सा अधीक्षक, जिला पुरूष चिकित्सालय को हस्तान्तरित कर दी गई है।

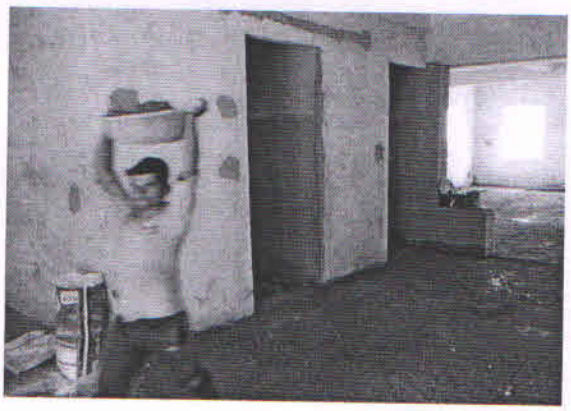

पीडियाट्रिक आई.सी.यू. वार्ड के निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–सण्डीला (एफ0आर0यू0)

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
मातृ स्वास्थ्य– • सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–सण्डीला (एफ0आर0यू0) पर 02 विशेषज्ञ (स्त्री रोग विशेषज्ञ) है जिसमें से 01 विशेषज्ञ (डा0 सालूजा) द्वारा ही कार्य किया जा रहा है। एक विशेषज्ञ (डा0 प्रियंका) द्वारा रूचि नहीं दिखायी जा रही। • जे0एस0वाई0 वार्ड में प्रसूति चिकित्सक द्वारा राउण्ड नहीं लगाया जा रहा था। स्टाफ नर्स द्वारा राउण्ड लगाया जाता है।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को उक्त से अवगत कराते हुये आवश्यक कार्यवाही करने हेतु सुझाव दिया गया। उनके द्वारा कहा गया कि इसपर तत्काल कार्यवाही की जायेगी।	चिकित्सा अधीक्षक के स्तर से कार्यवाही अपेक्षित
• स्टाफ नर्स द्वारा केसशीट फार्म नियमानुसार नहीं भरे जा रहे हैं। पार्टोग्राफ एवं अन्य जानकारी भी अधूरी थी।		
• वार्ड में साफ–सफाई नहीं थी एवं तापमान अधिक था जिससे लाभार्थी एवं शिशु को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।		
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मानक से कम सिजेरियन किये जा रहे हैं। माह मई 2018 में मात्र 5 सिजेरियन किये थे। सम्बन्धित स्टाफ भी पूरी तरह से तैयार नहीं है कि		राज्य स्तर से चिकित्सक (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की भर्ती प्रकिया अपेक्षित है।

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
सिजेरियन हो भी तो वो लाभार्थी की पोस्ट केयर कर सके।		
आर0के0एस0 रजिस्टर– • आर0के0एस0 रजिस्टर नियमानुसार नहीं भरा जा रहा था।	चिकित्सा अधीक्षक को उक्त से अवगत कराया गया। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा तत्काल ठीक करने का निर्देश सम्बन्धित को दिया गया।	जनपद स्तर/ब्लाक स्तर
• प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा ई0डी0एल0 सूची के अनुसार एनीस्थिसिया की कोई भी दवाईयां उपलब्ध न कराने का तथ्य संज्ञान में लाया गया। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों द्वारा बाहर से दवाईया मांगयी जाता है।	महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य के अधिकारियों को अवगत कराया जाना	
• कोल्ड चेन रूम में रिकार्ड पुस्तिकायें अस्त–व्यस्त रखी थी एवं सम्बन्धित फ्रीजर के साथ नहीं लगी हुई थी। • कोल्ड चेन रूम में साफ–सफाई नहीं थी।	फार्मास्टि को व्यवस्था ठीक करने एवं इसकी पुनरावृत्ति न होने की हिदायत दी गयी। फार्मास्टि द्वारा पुनः ऐसा न होने हेतु आश्वस्त किया गया।	सी0एम0एस0 स्तर से

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–बेन्हतर (नॉन एफ0आर0यू0)

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकों (नियमित एंव संविदा) के स्वीकृत पदो के सापेक्ष चिकित्सकों के पद रिक्त हैं।	–	सी0एम0ओ0/मुख्य चिकित्साधिकारी एवं राज्य स्तर से
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्साधिकारी द्वारा गार्डन का रख रखाव अच्छे से किया जा रहा था।	–	–
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर परिवार नियोजन काउन्सलर द्वारा अपने कार्य के प्रति सूची दिखाई गई एवं परिवार नियोजन से सम्बन्धित सभी आई0ई0सी0 मेटरियल काउन्सलर के कक्ष में उपस्थित थे।	–	–

अन्य बिन्दु–

1. मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में कमिटेड एवं जनपदीय कार्य योजना की वित्तीय समीक्षा की गयी।
2. ब्लाक स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों से सम्भावित व्यय किये जाने हेतु 3 माह की वित्तीय समय–सारणी बनाकर जनपद पर उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया।
3. सभी कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्ष 2018–19 हेतु रक्षित कराई गई धनराशि को 31 मई 2018 तक व्यय करने हेतु प्रेरित किया गया ।

(कमलेश रानी)
प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर,
एन0सी0डी0 सेल

(डा0 सारिका सिंह)
परामर्शदाता, राष्ट्रीय कार्यक्रम, संक्रामक रोग,
/जनपदीय नोडल अधिकारी